

Ans

प्लास्टिक का रचरान-रु (Turning of Plastic)! -
प्लास्टिक पदार्थ को आसानी से रचरान किया जा सकता है। जबकि ऐसे प्लास्टिक जो मुलामम होते हैं उनके रचरान भरण वर कम करके रण कटारि की गहरारि कम करके किया जा सकता है। प्लास्टिक के रचरान के लिए 100-180 मीठ/मिनट की कटारि पर ररवी जाती है। प्लास्टिक पदार्थ धातु की तरह बहुत टूट नहीं होते हैं इसलिए उनके रचरान के लिए रूसी कटिंग औजार का प्रयोग किया जाता है। जिनका अवकलन कोण $10^\circ - 15^\circ$ तक हो तथा उनका रूसी कोण धनात्मक $10^\circ - 20^\circ$ हो रचराने प्रक्रिया के लिए औजार पिट का प्रयोग उचित होता है। परिष्कृत कटारि के रचरान के लिए भरम पर वाला पक्काकार गारिका वाला औजार प्रयोग किया जाता है।

① स्फुट क्रिया डारि - ये डारियाँ बहुत ही सरल भाकार की होती हैं। तथा इनका भ्रमिकल्पन भी बहुत आसान होता है। ये रूम के स्फुट चक्र में अपना सम्पूर्ण कार्य कर लेती हैं। ये दो प्रकार की होती हैं।

① कर्तन डारि (cutting dies)

② कर्षण डारि (striking dies)

① कर्तन डारि - ये डारियाँ कार्यालय पर कर्तन क्रिया करने के लिए होती हैं। जैसे - (1) डब्लिंग (2) गैट

③ पंचिंग (3) कर्तन डारि आदि।

② कर्षण डारि - जब प्रेस द्वारा किया गया कार्य उस प्रकार का है जिसमें कि कार्यालय की भाकार में कौशल परिवर्तन होता है तब इसमें प्रयुक्त डारि को कर्षण डारि कहा जाता है। जैसे - बंकन डारि, पुर-पल डारि आदि।

③ बहु-क्रिया वाली डारि (multi-operation die) - बहु क्रियाकारी डारि वहाँ प्रयोग की जाती हैं जहाँ कि एक कर्तन या एक कर्षण क्रिया के अतिरिक्त भी अन्य कोई क्रिया भी रूम के स्फुट स्ट्रोक में की जाती है।

इन डारियों को मुख्यतः तीन भागों में बाटा गया है।
(a) प्रौढिक डारि - इन डारियों का प्रयोग वहाँ होता है जहाँ एक से अधिक क्रियाएँ रूम के स्फुट स्ट्रोक में ही पूर्ण करनी हैं।

(b) प्रगतिशील डारि - इसी-2 कार्यालय को प्रेस कार्य के लिए एक मशीन से दूसरे मशीन पर हस्तान्तरण करना पाला है।

(c) सम्भक्त डारि - सम्भक्त डारियों भी प्रगतिशील डारियों के तरह की होती हैं जिनके द्वारा कर्तन या कर्षण के एक से अधिक क्रियाएँ उन डारियों द्वारा की जाती हैं।